

親徳び

本調子

工	合	工	合	五	七	工	合	工	中	工	合
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

工	五	合	乙	四	中	上	工	四	工	合	中
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

上	合	上	工	四	工	乙	尺	合	上	合	乙
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	上	合	上	中	工	上	中	工	合	五	七	工	中	上	中
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	上	四	四	上	四	工	乙	尺	合	尺	合	尺	合	上	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	上	中	工	合	五	七	工	合	工	五	中	工	上	中
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

工	合	五	七	工	中	上	工	合	上	四	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

七	合	七	七	五	工	合	工	五	中	合	上	上	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	上	四	四
---	---	---	---

親偲び

本調子

2/2

一、親から生りて 己一人暮らさつて
妻子生して後ど
哀り 己親恩やしゆる
さびさ募る 黄昏の命

二、儂き定年 毎日家籠りよ
ねんごろのあなた 今いずこ
さびさ募る 黄昏命さ
黄昏命 哀れ定めさ

三、命あるうちは 働ちよて喰わねえば
よ
慣れし酒の味も 身に染みて
夜明けも知らぬ 酒浴びの日日の
哀れ定年

四、儂き定年 毎日家の中よ
テレビに明け暮れて、老いの命さ
さびしさ募る 黄昏命